UP Board 10 Hindi 2024 Code : 801 (HE) Question Paper with Solutions

Time Allowed :3 Hours 15 Minutes	**Maximum Marks :**70	**Total Questions :**30

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. यह प्रश्नपत्र दो खंडों, खंड - अ और खंड - ब में विभक्त है ।
3. खंड - अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर और अन्य उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल पेन/पार्कर कलम से सही विकल्प वाले गोलों को पूर्ण रूप से काला कर छानते हुए लिखें ।
4. खंड - अ के प्रश्न का निर्देश पत्रक केवल प्रदत और प्रश्न पत्र पर ही उत्तर दें । और प्रश्न पत्र पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इन्सर्ट न करें ।
5. प्रश्न के अंक उसके समग्र अंकित हैं ।
6. खंड - ब में 50 अंक के वर्णात्मक प्रश्न हैं ।
7. खंड - ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही दें ।
8. प्रश्न से अंतिम कीजिए तथा अंतिम प्रश्न तक करते जाएँ जो प्रश्न न आता हो उस पर समय न कीजिए ।

(खंड क)

1. 'खानावालन' नाटक के नाटककार हैं :

(A) उदय शंकर 'असर'
(B) हरिकृष्ण 'प्रेमी'
(C) रामकुमार वर्मा
(D) चतुर्सेन शास्त्री

Correct Answer : (B) हरिकृष्ण 'प्रेमी'

उत्तर :
'खानावालन' नाटक के रचनाकार हरिकृष्ण 'प्रेमी' हैं । वे हिंदी नाटक साहित्य में अपने विशिष्ट शैली और सामाजिक मुद्दों पर आधारित नाटकों के लिए प्रसिद्ध हैं ।

Quick Tip

हिंदी नाटककारों को याद करने के लिए उनके प्रमुख नाटकों को रचनाकारों से जोड़कर पढ़ें ।

2. रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचना है :

(A) संस्कृति के चार अध्याय
(B) साहित्य और कला
(C) अन्ना आकाश
(D) इन्द्रजाल

Correct Answer : (A) संस्कृति के चार अध्याय

उत्तर :
'संस्कृति के चार अध्याय' रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रसिद्ध काव्य रचना है, जिसमें भारतीय संस्कृति के विविध पक्षों का विश्लेषण किया गया है ।

Quick Tip
महान कवियों की रचनाओं और उनके योगदान को संदर्भों सहित याद रखें ।

---

3. 'राग दरबारी' रचना के उपन्यासकार हैं :

(A) कमलेश्वर
(B) श्रीलाल शुक्ल
(C) अज्ञेय
(D) नरेश मेहता

Correct Answer : (B) श्रीलाल शुक्ल

उत्तर :
'राग दरबारी' श्रीलाल शुक्ल का प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें ग्रामीण भारत की राजनीतिक और सामाजिक स्थितियों का व्यंग्यात्मक चित्रण है ।

Quick Tip
उपन्यासकारों के नाम उनके प्रमुख उपन्यासों के साथ जोड़कर याद करना सहायक होता है ।

---

4. 'शुक्ल युग' के अन्य नाम कौन से हैं ?

(A) प्रसाद युग
(B) प्रेमचंद युग
(C) छायावाद युग

(D) इनमें से सभी

Correct Answer : (D) इनमें से सभी

उत्तर :
'शुक्ल युग' हिंदी साहित्य में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के प्रभाव वाले काल को संदर्भित करता है । इसे 'प्रसाद युग', 'प्रेमचंद युग' और 'छायावाद युग' के नाम से भी जाना जाता है ।

Quick Tip
युगों के विभिन्न नामों और उनके विशिष्टताओं को याद रखना परीक्षाओं में सहायक होता है ।

---

5. 'विष्णु प्रभाकर' किस युग के कहानीकार हैं ?

(A) भारतेंदु युग
(B) छायावादी युग
(C) द्विवेदी युग
(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :
विष्णु प्रभाकर प्रगतिवादी युग के प्रसिद्ध कहानीकार हैं । उनकी रचनाएँ सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों को दर्शाती हैं ।

Quick Tip
लेखकों को उनके साहित्यिक युग के साथ जोड़कर याद करें ।

---

6. 'भाव विलास' के रचनाकार हैं :

(A) केशवदास
(B) देव
(C) पदाकर
(D) भूतनाथ

Correct Answer : (B) देव

उत्तर :
'भाव विलास' के रचनाकार देव हैं । वे हिंदी साहित्य में रीतिकालीन कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं और श्रृंगार रस के कवि माने जाते हैं ।

Quick Tip
रीतिकालीन कवियों और उनकी रचनाओं को विशेष रूप से ध्यान में रखें ।

---

7. प्रयोगवादी काव्य की विशेषता है :

(A) विचारशील कल्पना की प्रधानता
(B) रूढ़ियों के प्रति विद्रोह
(C) प्राकृतिक वर्णन
(D) आश्रयदाताओं की प्रशंसा

Correct Answer : (B) रूढ़ियों के प्रति विद्रोह

उत्तर :
प्रयोगवादी काव्य का मुख्य उद्देश्य साहित्य में नई विधाओं और विषयों का समावेश करना और रूढ़िवादिता के प्रति विद्रोह करना है ।

Quick Tip
विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों की विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझें ।

---

8. काव्य की प्रवृत्ति एवं रचना शैली के आधार पर रीति काल की कितनी धाराएं स्वीकार की गई हैं ?

(A) 1
(B) 5
(C) 3
(D) 6

Correct Answer : (C) 3

उत्तर :
रीति काल की तीन प्रमुख धाराएं हैं - ऋतिबद्ध काव्यधारा, ऋतिमुक्त काव्यधारा, और मिश्रित काव्यधारा ।

Quick Tip
काव्य धाराओं और उनके प्रमुख कवियों को याद करें ।

---

9. 'जोहर' काव्य के रचनाकार हैं :

(A) श्याम नारायण पांडेय
(B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) धर्मवीर भारती

Correct Answer : (A) श्याम नारायण पांडेय

उत्तर :
'जोहर' काव्य के रचनाकार श्याम नारायण पांडेय हैं, जिनकी रचनाएँ वीर रस से ओतप्रोत हैं ।

Quick Tip
वीर रस पर आधारित प्रमुख रचनाओं और कवियों को अलग से याद करें ।

---

10. 'चिदंबरा' के रचनाकार हैं :

(A) जयशंकर प्रसाद
(B) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) महादेवी वर्मा

Correct Answer : (C) सुमित्रानंदन पंत

उत्तर :
'चिड़ियाँ' कविता के लेखक सुमित्रानंदन पंत हैं । वह हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि हैं और उनकी कविताओं में प्रकृति, प्रेम और मानवता के विषयों पर गहरी समझ दिखाई देती है ।

Quick Tip
सुमित्रानंदन पंत की कविताओं में प्रकृति की सुंदरता और जीवन के गहरे अर्थों को उकेरा गया है, उन्हें उनके काव्यात्मक सौंदर्य के लिए जाना जाता है ।

---

11. पुनि-पुनि मुनि उकसहि अकुलाहि ।
देखि दसा हर-गन मुसकाहि ।।

उपर्युक्त पंक्तियों में प्रसिद्ध रस है -

(A) वीर रस
(B) हास्य रस
(C) करुण रस
(D) वात्सल्य रस

Correct Answer : (B) हास्य रस

उत्तर :
उपयुक्त पंक्तियों में हास्य रस का भाव प्रमुख है, जो हल्के-फुल्के आनंद और मुस्कान को उत्पन्न करता है ।

Quick Tip
रसों की पहचान के लिए उनके लक्षण और भावनाओं को समझें ।

---

12. "आहुति-सी फिर पड़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला-सी ।"
उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(A) अनुप्रास अलंकार
(B) उपमा अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) रूपक अलंकार

Correct Answer : (B) उपमा अलंकार

उत्तर :
उक्त पंक्ति में 'ज्वाला-सी' शब्द के माध्यम से उपमा अलंकार का प्रयोग किया गया है, जिसमें चिता पर गिरी आहुति की तुलना ज्वाला से की गई है ।

Quick Tip
अलंकारों के प्रकार और उनके उदाहरणों को अच्छी तरह याद करें ।

---

13. 'दोहा' छंद का ठीक उल्टा छंद कौन-सा है ?

(A) चौपाई
(B) रोला
(C) सोरठा
(D) बछेंदरी

Correct Answer : (C) सोरठा

उत्तर :
'दोहा' और 'सोरठा' छंद में मात्राओं की व्यवस्था उल्टी होती है । दोहे में पहले चरण में 13 और दूसरे में 11 मात्राएँ होती हैं, जबकि सोरठा में यह क्रम उल्टा होता है ।

Quick Tip
छंदों की मात्राओं और लक्षणों को स्पष्ट रूप से समझना महत्वपूर्ण है ।

---

14. 'अनुरूप' शब्द में प्रयोगित उपसर्ग है :

(A) अ
(B) अन
(C) अनु
(D) रूप

Correct Answer : (C) अनु

उत्तर :
'अनुरूप' शब्द में 'अनु' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है, जिसका अर्थ होता है 'संगत' या 'समकक्ष' ।

Quick Tip
उपसर्ग पहचानने के लिए शब्द के प्रारंभ में जुड़े हुए भाग पर ध्यान दें ।

---

15. 'राम-कृष्ण' में कौन-सा समास है ?

(A) अव्ययीभाव समास
(B) द्वंद्व समास
(C) कर्मधारय समास
(D) तत्पुरुष समास

Correct Answer : (B) द्वंद्व समास

उत्तर :
'राम-कृष्ण' में द्वंद्व समास है क्योंकि इसमें दोनों पद समान महत्व रखते हैं ।

Quick Tip
द्वंद्व समास में दोनों पदों का समान रूप से महत्व होता है ।

---

16. वायु, समीर, बयार पर्याय हैं :

(A) सूर्य के
(B) तारों के

(C) हवा के
(D) बादल के

Correct Answer : (C) हवा के

उत्तर :
वायु, समीर, और बयार 'हवा' के पर्यायवाची शब्द हैं ।

Quick Tip
पर्यायवाची शब्दों को विषयवार समूह बनाकर याद करें ।

---

17. 'तस्मै' शब्द में विभक्ति एवं वचन है :

(A) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
(B) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
(C) पंचमी विभक्ति, एकवचन
(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (A) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

उत्तर :
'तस्य' शब्द में चतुर्थी विभक्ति और एकवचन है जिसका अर्थ 'उसके लिए' होता है ।

Quick Tip
विभक्ति पहचानने के लिए शब्द के अंत में ध्यान दें ।

---

18. संदेहपूर्ण कथन को कहते हैं :

(A) साधारण वाक्य
(B) प्रश्नवाचक वाक्य
(C) संदेहात्मक वाक्य
(D) नकारात्मक वाक्य

Correct Answer : (C) संदेहात्मक वाक्य

उत्तर :
संदेहपूर्ण कथन को संदेहात्मक वाक्य कहते हैं । जैसे - "शायद वह आएगा ।"

Quick Tip
वाक्य भेद को पहचानने के लिए कथन के भाव को समझें ।

---

19. 'मैं पत्र लिखूँगा' वाक्य का कर्तृवाच्य में परिवर्तन है :

(A) मेरे द्वारा पत्र लिखा जायेगा ।
(B) मुझे पत्र लिखना है ।
(C) मैं पत्र लिख रहा हूँ ।
(D) मुझे पत्र लिखना था ।

Correct Answer : (A) मेरे द्वारा पत्र लिखा जायेगा ।

उत्तर :
'मैं पत्र लिखूँगा' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलने पर 'मेरे द्वारा पत्र लिखा जायेगा' होगा ।

Quick Tip
कर्तृवाच्य में कर्ता के कार्य को क्रिया के रूप में व्यक्त किया जाता है ।

---

20. स्थानवाचक क्रिया विशेषण है :

(A) प्रतिदिन
(B) आसपास
(C) बहुत
(D) स्वयं

Correct Answer : (B) आसपास

उत्तर :
'आसपास' शब्द स्थानवाचक क्रिया विशेषण है क्योंकि यह स्थान का बोध कराता है ।

Quick Tip
स्थानवाचक क्रिया विशेषण से स्थान का बोध होता है जैसे - यहाँ, वहाँ, आसपास ।

खंड - 'ब'
वर्णनात्मक प्रश्न

1. निर्दिष्ट पाठांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मानव मन सदैव ही असत् के रहस्यों को खोलने और जानने-समझने को उत्कंठित रहा है । जब तक वह नहीं पहुँच सकता था, वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा । उसकी अनगिनत और अविश्वसनीय कथाएँ उसे सत्य के निकट पहुँचाने में प्रेरणा-शक्ति का काम करती रहीं । अंतरिक्ष युग का सूत्रपात 4 अक्टूबर, 1957 को हुआ था, जब सोवियत रूस ने अपना पहला स्पूतनिक छोड़ा । प्रथम अंतरिक्ष यात्री बनने का गौरव यूरी गगारिन को प्राप्त हुआ । अंतरिक्ष युग के आरंभ के ठीक 11 वर्ष 9 माह 17 दिन बाद चंद्रतल पर मानव उतर गया ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

उत्तर : गद्यांश 'अंतरिक्ष युग का प्रारंभ' पाठ से लिया गया है और इसके लेखक 'रमेश चंद्र' हैं ।

Quick Tip
महत्वपूर्ण पाठ और लेखक के नाम याद करने के लिए चार्ट या फ्लैशकार्ड बनाकर नियमित दोहराव करें ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : रेखांकित अंश में यह बताया गया है कि मानव कल्पना और जिज्ञासा की शक्ति से उन स्थानों तक पहुँचने में सक्षम हुआ है, जहाँ तक भौतिक रूप से पहुँचना कठिन था । अंतरिक्ष यात्रा इसका एक उदाहरण है, जिसमें विज्ञान और शोध ने मानव को चंद्रमा तक पहुँचा दिया ।

Quick Tip
रेखांकित अंश की व्याख्या करते समय लेखक की भावनाओं और संदर्भ का विश्लेषण करें ।

(iii) प्रथम अंतरिक्ष यात्री कौन था ?

उत्तर : विश्व का प्रथम अंतरिक्ष यात्री 'यूरी गागरिन' था, जिसने 12 अप्रैल 1961 को अंतरिक्ष यात्रा पूरी की ।

Quick Tip
अंतरिक्ष यात्राओं से संबंधित प्रमुख तिथियाँ और व्यक्तियों को याद रखने के लिए टाइमलाइन बनाना सहायक होता है ।

अथवा

हिंदी में प्रस्तुत साहित्य का निर्माण हो रहा है । इसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है । पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्माक हो जाएगा और आज जो तरुण हैं वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वरूप देंगे । उनके स्थान में तृणों का फिर दूसरा दल आ जायेगा, जो भविष्य का स्वरूप देगा । दोनों के ही स्वरूप सुखद होते हैं ; क्योंकि द्रुत के दौर सुःसुखाने होते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

उत्तर : गद्यांश 'प्रगतिशील साहित्य की दिशा' पाठ से लिया गया है और इसके लेखक 'नरेश मेहता' हैं ।

Quick Tip
प्रगतिशील साहित्य को समझने के लिए सामाजिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करें ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : रेखांकित अंश में यह बताया गया है कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और उसमें भविष्य की झलक देखने को मिलती है । प्रगतिशील साहित्य समय के साथ बदलता है और नए विचारों को अपनाता है ।

Quick Tip
कहावतों का तात्पर्य समझते समय उनके व्यावहारिक संदर्भ पर ध्यान दें ।

(iii) 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : इस कहावत का तात्पर्य है कि दूर से चीजें आकर्षक और अच्छी लगती हैं, लेकिन वास्तविकता में वे उतनी सरल या सुंदर नहीं होतीं । यह आशावादी दृष्टिकोण और वास्तविकता के बीच के अंतर को दर्शाता है ।

Quick Tip
कहावतों और लोकोक्तियों का तात्पर्य समझने के लिए उनके संदर्भ को ध्यान में रखना आवश्यक है ।

2.(क) निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चरण-कमल बंदी हरि राय ।
आकि कृपा पंगु गिरि लांघे, अंधे को सब कछु देखाई ।
बाहिरि सुने गूँग पुनी बोले, रंग चले सिर छत्र धराई ।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदी तिहि पाई ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

उत्तर : यह पद्यांश सूरदास के भक्ति काव्य से लिया गया है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की करुणा और भक्ति-भावना का वर्णन किया गया है । कवि भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में बार-बार नमन कर रहा है ।

Quick Tip
पद्यांश का संदर्भ लिखते समय कवि, काव्यधारा और भावार्थ को अवश्य शामिल करें ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : रेखांकित अंश में भगवान श्रीकृष्ण की करुणा का वर्णन है । उनकी कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं — पंगु पर्वत लांघता है, अंधा देखता है और गूंगा बोलने लगता है ।

Quick Tip
रेखांकित अंश की व्याख्या करते समय उदाहरण और भावार्थ को स्पष्ट करें ।

(iii) "बार-बार बंदी तिहि पाई" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

उत्तर : इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है क्योंकि 'बार-बार' में ध्वनि की पुनरावृत्ति होती है, जिससे मधुरता उत्पन्न होती है ।

Quick Tip
पद्यांश में अलंकार पहचानने के लिए शब्दों की पुनरावृत्ति, भावों की गहराई और प्रतीकों पर ध्यान दें ।

2.(ख) निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अगर धीरे चलो
वह तुम्हें छू लेगी

दौड़ो तो छूट जाएगी नदी
अगर ले लो साथ
वह चलती चली जाएगी कहीं भी
यहाँ तक कि किताबों की दुकान तक भी ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

उत्तर : यह पद्यांश नदी के प्रतीकात्मक रूप को दर्शाता है, जहाँ नदी को जीवन यात्रा और समय का रूपक माना गया है । यह सन्देश देता है कि धैर्यपूर्वक चलने से जीवन में संतुलन बना रहता है, जबकि अत्यधिक तेजी से जीवन की मूल भावनाएँ छूट सकती हैं ।

Quick Tip
अलंकार पहचानने के लिए शब्दों की विशेषताओं और भाव-संप्रेषण पर ध्यान दें ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : "दौड़ो तो छूट जाएगी नदी" पंक्ति में यह बताया गया है कि जीवन में यदि हम अत्यधिक जल्दी करते हैं तो जरूरी भावनाएँ और गहराइयाँ छूट सकती हैं । यह समय के महत्व और धैर्य की आवश्यकता को दर्शाता है ।

Quick Tip
प्रतीकात्मक काव्य में प्रयुक्त प्रतीकों और उनके गहरे अर्थों को समझने का प्रयास करें ।

(iii) "दौड़ो तो छूट जाएगी नदी" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

उत्तर : इस पंक्ति में रूपक अलंकार है, जहाँ नदी को जीवन या समय का प्रतीक माना गया है ।

Quick Tip
रूपक अलंकार पहचानने के लिए यह देखें कि क्या किसी वस्तु को सीधे किसी अन्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है ।

---

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सद्भाव सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए :

बाराणसी प्राचीनकालादेगोह् गोह् विद्यायाः । द्योते । अथुनादिषि च संस्कृतवाग्यं सतं प्रवहति, जनानां ज्ञानं बर्द्धति । अन्येऽस्मिन आचार्यः, मूर्धन्या । विद्वानः : वैदिकवादयस्य अध्ययनं अधियते ।

उत्तर :
बाराणसी प्राचीन काल से ही ज्ञान का प्रमुख केंद्र रही है । यहाँ ज्ञान की रोशनी है । संस्कृत वाग्मिता भी यहाँ बहती है, जो लोगों के ज्ञान को बढ़ाती है । यहां के आचार्य और विद्वान वैदिक वाद का अध्ययन करते हैं ।

Quick Tip
When translating classical texts, focus on the structure and context to capture the meaning accurately. Classical language can contain multiple layers of meaning.

अलक्षेन्द्र : - भारतं एकं राष्ट्रं इति तब वचनं कृत्स्म । इह तावद राजनः जनं च परस्मं दुःखयति ।

उत्तर :
अलक्षेन्द्र ने कहा - 'भारत एक राष्ट्र है' । तब उनका यह वचन सत्य सिद्ध हुआ । यहाँ तक कि राजा ने लोगों को दुःख पहुँचाया ।

Quick Tip
When translating philosophical or historical texts, focus on the deeper meaning and context of the words used. Pay attention to the historical implications and the tone of the speaker.

पुरुषराज : तद्व सर्वं अस्मिंम आन्तरिक । विप्य : बाहयस्तोत : तद हस्तक्षेप : अस्सय यवनराज ।

उत्तर :
पुरुषराज ने कहा : 'वह सब कुछ इस आंतरिक में है । बाहरी स्तुति या हस्तक्षेप का कोई प्रभाव नहीं है, यह केवल यवनराज का कार्य है ।'

Quick Tip
When translating ancient or philosophical texts, understand the internal and external factors discussed, and consider the cultural and historical context in which the statements are made.

पृष्ठधर्म : पृष्ठभाम्भूमा अपि वयं सवंग भारतं : ! विशालं अस्मांक राष्ट्रं ।

उत्तर :
पृष्ठधर्म : हम अपने पृष्ठभूमि और राष्ट्र के प्रति धर्म का पालन करते हुए एकजुट भारत के रूप में खड़े हैं ! हमारा देश विशाल है और हम सभी इस राष्ट्र के भागी हैं ।

Quick Tip
When translating statements related to nationalism or philosophy, ensure that the context of unity and collective responsibility is preserved.

---

4. दिए गए संस्कृत पदांश का संदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए :

नीर-शीर-विवेके हंसलक्षं त्वमेव तुभे नेत ।
विश्वमिष्णुन्नयः कुलरन्तं पालिशति का ।

उत्तर :
विवेक और भेदभाव के बिना, तुम ही वह नेतृत्व करने वाले हो, जो संसार को मार्ग दिखाते हो ।
विश्व के भले के लिए, कुल की पहचान बनाए रखता है ।

Quick Tip
साहित्यिक रूप में, शब्दों का चयन और उनका अर्थ विशेष अर्थ उत्पन्न करते हैं, जिससे हमें गहरे संदेशों को समझने का अवसर मिलता है ।

अथवा

सार्थ प्रवस्तो मित्रं भार्यं मित्रं गृहे सत ।
आतुरस्य विपाकं मित्रं दानं मित्रं मरिष्यत ॥

उत्तर :
सही मार्ग पर चलने वाला मित्र, जीवन साथी और घर का साथी होता है ।
बीमारी में मदद करने वाला मित्र, उसे दान देकर जीवन में सुख लाता है ।

Quick Tip
साहित्य में मित्रता और सहायता के महत्व को समझने के लिए उन सामाजिक संदर्भों पर ध्यान दें, जहां मानवता और भाईचारे की बात की जाती है ।

---

5. अपने पठन अध्ययन के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) (i) **'मुक्ति' काव्य के आधार पर अंग्रेजी शासन के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा किए गए जन आंदोलनों का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'मुक्ति' काव्य में अंग्रेजी शासन के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा किए गए जन आंदोलनों का विस्तार से वर्णन किया गया है । इसमें सत्याग्रह, असहमति और अहिंसा के सिद्धांतों के तहत भारतीय जनता की संघर्षशीलता और गांधी जी के नेतृत्व में सामूहिक संघर्षों का चित्रण किया गया है । इस काव्य में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की जीवंत छवि और उसमें भागीदार जन आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं का समावेश है ।

Quick Tip
गांधी जी के आंदोलनों को समझने के लिए 'मुक्ति' काव्य को ऐतिहासिक संदर्भों के साथ पढ़ना चाहिए ।

(ii) **'मुक्ति' काव्य के किसी एक काव्य शास्त्र का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'मुक्ति' काव्य में काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का पालन करते हुए लेखक ने गांधीवादी विचारधारा का विस्तार किया है । काव्य में सत्य, अहिंसा और स्वराज के सिद्धांतों को प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया गया है । इसे एक ऐसे काव्य के रूप में रचनात्मक रूप से देखा जाता है जो एक ऐतिहासिक आंदोलन और उसके सामाजिक सन्दर्भ को दर्शाता है ।

Quick Tip
काव्यशास्त्र का सारांश देने के लिए उसकी थीम और लेखक के दृष्टिकोण को ध्यान में रखना चाहिए ।

(ख)(i) **'स्वीति जवाहर' काव्य के कथनात्मक संदर्भ में लिखिए ।**

उत्तर :
'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के संघर्ष में जवाहरलाल नेहरू के योगदान को प्रमुख रूप से चित्रित किया है । इसमें उनके विचारों और नेतृत्व की क्षमता का वर्णन किया गया है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरणास्त्रोत बने ।

Quick Tip

काव्य के कथनात्मक संदर्भ को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्षय का अध्ययन करें ।

(ii) **'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने स्मारक अशोक के गुणों का वर्णन कैसे किया है ?**

उत्तर :
'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने सम्राट अशोक के गुणों का चित्रण किया है, जैसे उनके महान विजयी चरित्र, बुद्ध धर्म की ओर झुकाव, और सम्राट की नीतियों में धार्मिक सहिष्णुता को प्रमुखता से दर्शाया गया है । यह काव्य उनके सम्राट के रूप में उपदेशक और धर्मनिष्ठ नेता के रूप में चित्रित करता है ।

Quick Tip

सम्राट अशोक के गुणों को समझने के लिए उनके सम्राट बनने से लेकर उनके धर्म परिवर्तन तक के ऐतिहासिक घटनाक्रम का अध्ययन करें ।

(ग) (i) **'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के दिव्य शब्द 'दीनलाल' की कथात्मक संक्षेप में लिखिए ।**

उत्तर :
'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के शब्द 'दीनलाल' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के संघर्ष और उनके द्वारा जन जागृति लाने का प्रतीक है । यह शब्द उन भारतीयों को संदर्भित करता है जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ विरोध और संघर्ष किया । गांधीजी के नेतृत्व में यह शब्द एक आंदोलन का प्रतीक बन गया जो भारतीयों को एकजुट करने के उद्देश्य से था ।

Quick Tip

'दीनलाल' शब्द भारतीय संघर्ष और महात्मा गांधी के नेतृत्व में किए गए आंदोलनों की प्रेरणा का प्रतीक है ।

(ii) **'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।**

उत्तर :
'महात्मा मुक्ति' हड़ताली में नायक के रूप में महात्मा गांधी का चरित्र चित्रित किया गया है । वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे । उनके संघर्षों ने भारत के जनमानस को जागरूक किया और भारतीय जनता को स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया । उनका नेतृत्व सत्य, अहिंसा और आत्मनिर्भरता पर आधारित था ।

Quick Tip

महात्मा गांधी का चरित्र सत्य, अहिंसा और समाज के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

(घ) (i).**'अर्पण' हड़ताली के 'आन्दोलन' का कमान का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।**

उत्तर :
'अर्पण' हड़ताली में 'आन्दोलन' का कमान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक सक्रिय भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है । इसमें भारत के लोगों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट होकर विरोध किया और स्वतंत्रता की ओर कदम बढ़ाए । यह आंदोलन भारतीयों की जागरूकता और संघर्ष का प्रतीक बन गया । इसके माध्यम से लोगों ने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष किया ।

Quick Tip

'आन्दोलन' का कमान एकजुटता, संघर्ष और भारतीय जनता की चेतना को दर्शाता है, जो स्वतंत्रता के लिए उठ खड़ी हुई थी ।

(ii) **'अर्पण' हड़ताली के आधार पर श्री कृष्ण का चरित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'अर्पण' हड़ताली में श्री कृष्ण का चरित्र भारतीय संस्कृति और धार्मिक विचारों का प्रतीक है । श्री कृष्ण का चरित्र उनके नीति, प्रेम और भक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया है । वे एक कुशल योद्धा, नीति के जानकार और भक्तों के प्रति समर्पित देवता के रूप में चित्रित होते हैं । उनका जीवन संघर्ष और शांति का अद्भुत मिश्रण है, जो भारतीय संस्कृति का मार्गदर्शन करता है ।

Quick Tip

श्री कृष्ण का चरित्र भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का केंद्र है, जो प्रेम, भक्ति, और नीति के आदर्शों से भरा हुआ है ।

(ङ) (i) **'जय सुभा' हड़ताली में बनित 'आज़ाद हिंद सेना' के गठन की घटना का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'जय सुभा' हड़ताली में 'आज़ाद हिंद सेना' का गठन नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने किया । यह सेना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण कदम थी, जो विशेष रूप से भारतीयों को ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से गठित की गई थी । नेताजी ने इस सेना को संगठित किया और भारतीय

राष्ट्रीयता को जागरूक करने के लिए विभिन्न संघर्षों में हिस्सा लिया । यह सेना स्वतंत्रता संग्राम का एक मजबूत हिस्सा बन गई थी ।

Quick Tip
'आज़ाद हिंद सेना' का गठन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है ।

(ii) **'जय सुभा' हड़ताली के नायक 'सुभाष चंद्र बोस' के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'जय सुभा' हड़ताली में सुभाष चंद्र बोस का चरित्र एक दृढ़, साहसी और प्रेरणादायक नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है । उनका नेतृत्व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बहुत प्रभावशाली था । बोस ने अपनी सेना 'आज़ाद हिंद सेना' का गठन किया और भारतीय स्वतंत्रता के लिए निरंतर संघर्ष किया । उनके साहस, संघर्ष और नेतृत्व ने भारतीयों को एकजुट किया और स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया ।

Quick Tip
सुभाष चंद्र बोस का चरित्र एक प्रेरणा है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अदम्य साहस और संघर्षशीलता को दर्शाता है ।

(च) (i).**'मातृभूमि के लिए' हड़ताली के दिव्य शब्द 'संघर्ष' का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'मातृभूमि के लिए' हड़ताली में 'संघर्ष' शब्द का महत्त्व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में विशेष रूप से व्यक्त किया गया है । यह शब्द उन वीर सपूतों के संघर्षों का प्रतीक है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया । इस काव्य में 'संघर्ष' केवल शारीरिक युद्ध का नहीं, बल्कि मानसिक और आदर्श संघर्ष का भी प्रतीक है । यह संघर्ष उन भारतीयों का था जिन्होंने अंग्रेजी साम्राज्य से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए असंख्य बलिदान दिए । इस शब्द के माध्यम से काव्य स्वतंत्रता संग्राम की कठिनाइयों और जुझारू संघर्ष की कहानी सुनाता है । यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए भी था, जो आज़ादी की ओर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध हुआ ।

Quick Tip
'संघर्ष' शब्द का विश्लेषण करते समय यह महत्वपूर्ण है कि इसे महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीयों के मानसिक, शारीरिक, और विचारधारात्मक संघर्ष के रूप में समझें ।

(ii) **'मातृभूमि के लिए' हड़ताली के आधार पर 'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'मातृभूमि के लिए' हड़ताली में 'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण उन आदर्श व्यक्तियों का है जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी मातृभूमि की सेवा में अपने जीवन को समर्पित किया । दुराचार आजाद का चरित्र संघर्ष, साहस, और बलिदान का प्रतीक है । काव्य में उनका चित्रण उस संघर्षशील भावना को दर्शाता है जिसने भारत की स्वतंत्रता के लिए अथक प्रयास किए । उनका जीवन एक प्रतिबद्धता और आत्मसमर्पण का उदाहरण है, जो न केवल उनकी मातृभूमि के प्रति समर्पण को दर्शाता है, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रेरणा का स्रोत भी बनता है ।

Quick Tip
'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण संघर्षशीलता और बलिदान की भावना को दर्शाता है । यह काव्य में व्यक्त की गई एक नायक की भावना है ।

(छ) (i).**'कर्ण' हड़ताली के तत्त्व से 'श्री कृष्ण' और कर्ण के संवाद की कथात्मक संक्षेप में लिखिए ।**

उत्तर :
'कर्ण' हड़ताली के तत्त्व में 'श्री कृष्ण' और कर्ण के संवाद का सारांश महाभारत के युद्ध के समय से जुड़ा हुआ है । श्री कृष्ण ने कर्ण से उसके कृत्यों के परिणामों पर चर्चा की और उसे अपने कर्मों के प्रति सचेत किया । श्री कृष्ण ने कर्ण से कहा कि वह अपने आत्ममूल्यों और धर्म के बीच चुनाव कर सके । कर्ण ने कृष्ण की सलाह को माना, लेकिन उसकी आस्था और अपने कर्तव्यों का पालन करने की दृढ़ता ने उसे आगे बढ़ने का साहस दिया । इस संवाद के माध्यम से कर्ण के चरित्र की जटिलताओं और उसके दुविधाओं को गहराई से दर्शाया गया है, जिसमें उसकी व्यक्तिगत भावना और धर्म के प्रति उसका आदर्श परिलक्षित होता है ।

Quick Tip
'कर्ण' और 'श्री कृष्ण' का संवाद उनके कर्म और जीवन के संघर्षों का विश्लेषण करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो महाभारत के युद्ध में निर्णायक साबित हुआ ।

(ii) **'कर्ण' हड़ताली के नायक का चरित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'कर्ण' हड़ताली में कर्ण का चरित्र एक महान योद्धा, निष्ठावान और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया है । कर्ण का जीवन हर स्तर पर संघर्ष से भरा हुआ था, लेकिन उसने कभी अपने आदर्शों और अपने कर्तव्यों से समझौता नहीं किया । वह एक दृढ़ नायक था, जो अपने दीन, धर्म और उद्देश्य के प्रति

अडिग था । कर्ण की निष्ठा, बल और साहस ने उसे महाभारत के युद्ध में एक प्रमुख भूमिका दी । उसके जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उसने अपनी पहचान और श्रवण कार्यों के आधार पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लिया, जो उसे एक उच्चतम आदर्श के रूप में प्रस्तुत करता है ।

Quick Tip
कर्ण का चरित्र निष्ठा, साहस और धर्म के पालन का आदर्श प्रस्तुत करता है, जो महाभारत के युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाने वाले पात्रों में से एक था ।

(ज) (i).**'कमलविर भरत' हड़ताली के किसी एक कर्म का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'कमलविर भरत' हड़ताली में भरत का महान कर्म उन कर्तव्यों और संघर्षों को दर्शाता है, जो उन्होंने अपने साम्राज्य की रक्षा के लिए किए । भरत का चरित्र न केवल अपने देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आदर्शों के अनुरूप राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है । भरत का जीवन सच्चे नेतृत्व, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक था, जो देश की रक्षा के लिए अनवरत प्रयासरत रहते हुए दूसरों के लिए प्रेरणा बना ।

Quick Tip
भरत का चरित्र राष्ट्र की सुरक्षा और देशभक्ति के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है, जो संघर्षों के माध्यम से मजबूत हुआ ।

(ii) **'कमलविर भरत' हड़ताली के आधार पर 'भरत' का चरित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'कमलविर भरत' हड़ताली में भरत का चरित्र एक महान और निष्कलंक नायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है । उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहे । उनका जीवन देश के प्रति निष्ठा, संघर्ष और परिश्रम का आदर्श था । उन्होंने अपने कर्तव्यों को सर्वोच्च मानते हुए देश की सेवा की, जो भारतीय समाज के सर्वोत्तम आदर्शों का प्रतीक है ।

Quick Tip
'भरत' का चरित्र समर्पण, निष्ठा और कर्तव्य के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है ।

(झ) (i).**'तुलसी' काव्य के आधार पर 'दर्शन' की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।**

उत्तर :
'तुलसी' काव्य में 'दर्शन' का स्थान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है । यहाँ पर भगवान श्रीराम का आदर्श प्रस्तुत किया गया है, जिनका जीवन सत्य, न्याय और धर्म से ओत-प्रोत है । तुलसीदास ने राम के माध्यम से 'दर्शन' की यथार्थता और धार्मिक मार्ग का उद्घाटन किया । उनके 'रामकाव्य' में जीवन के सारे रूपों की सटीक व्याख्या की गई है ।

Quick Tip
'तुलसी' काव्य में धर्म और सत्य की महत्वपूर्ण बातें समझी जाती हैं । उनके जीवन और काव्य में दर्शन के सिद्धांत का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखता है ।

(ii) 'तुलसी' काव्य के किसी एक सरणी की कथावस्तु संदर्भ में लिखिए ।

उत्तर :
'तुलसी' काव्य की प्रमुख सरणी में भगवान श्रीराम के आदर्शों का चित्रण किया गया है । राम के जीवन की प्रत्येक घटना धार्मिक, नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षाओं से परिपूर्ण है । 'रामायण' में राम के संघर्ष, त्याग और आदर्श प्रस्तुत किए गए हैं, जो व्यक्ति को सद्गुणों और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं ।

Quick Tip
'रामायण' की कथावस्तु को ध्यान से पढ़ने पर जीवन के आदर्शों और नैतिक शिक्षा की गहरी समझ प्राप्त होती है ।

6(क) दिये गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए ।

(i) **पद्मलाल ज़ुलालाल बकली**

उत्तर :
पद्मलाल ज़ुलालाल बकली हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि और लेखक थे । उनका योगदान हिंदी साहित्य में बहुत ही महत्वपूर्ण है । बकली जी ने समाज की नब्ज़ को पहचानते हुए अपने लेखन के माध्यम से समाज के कई जटिल पहलुओं पर रोशनी डाली और जन जागरूकता फैलाने का प्रयास किया । उनकी प्रमुख रचना 'राजनीति की असलियत' है, जिसमें उन्होंने समाज के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात पर अपनी तीव्र आलोचना की है । इस काव्य ने समाज में भ्रष्टाचार और शोषण की ओर ध्यान आकर्षित किया और उन पर सुधार लाने की आवश्यकता की बात की । बकली जी ने भारतीय समाज के सुधार के लिए हमेशा आवाज उठाई और इसी कारण उनकी रचनाएँ आज भी प्रासंगिक हैं ।

Quick Tip

पद्मलाल बकली की रचनाएँ समाज की सच्चाइयों और राजनीतिक स्थितियों को प्रकट करती हैं, जिन्हें समझना आज भी बहुत ज़रूरी है ।

(ii) **रामधारी सिंह 'दिनकर'**

उत्तर :
रामधारी सिंह 'दिनकर' हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि और विचारक थे । उनका जन्म 1908 में हुआ था और उनका जीवन देशभक्ति, साहित्य, और समाज सुधार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से भरपूर था । 'दिनकर' जी की कविताओं में राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता संग्राम की गहरी छाप थी । उनकी प्रमुख रचनाओं में 'रश्मिरथी', 'उर्वशी', और 'कुरुक्षेत्र' शामिल हैं, जिनमें उन्होंने समाज और धर्म की कई जटिलताओं पर टिप्पणी की है । 'रश्मिरथी' में महाभारत के कर्ण के चरित्र के माध्यम से नायकत्व, संघर्ष, और कर्तव्य का महत्व बताया गया है । उनकी कविताओं ने भारतीय जनता में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जागृत किया ।

Quick Tip

रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचनाएँ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रकट करती हैं, जो आज भी प्रेरणा देने वाली हैं ।

(iii) **डॉ. रामेंद्र प्रसाद**

उत्तर :
डॉ. रामेंद्र प्रसाद हिंदी के प्रसिद्ध कवि और लेखक थे । उनकी रचनाओं में सामाजिक चेतना, प्रेम और भक्ति की भावना प्रमुख रूप से व्यक्त की गई है । उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया और यह दर्शाया कि भारतीय समाज में प्रेम और भक्ति की शक्ति है जो समाज में बदलाव ला सकती है । उनकी प्रमुख रचना 'मातृभूमि' है, जिसमें उन्होंने देश प्रेम और भारतीय संस्कृति की महिमा का सुंदर चित्रण किया है । यह काव्य उस समय की राष्ट्रीय भावना और मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा को प्रकट करता है । रामेंद्र प्रसाद जी की रचनाएँ भारतीय समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता के प्रतीक के रूप में मानी जाती हैं ।

Quick Tip

डॉ. रामेंद्र प्रसाद की रचनाएँ भारतीय समाज में प्रेम और भक्ति के अद्भुत मेल को प्रकट करती हैं, जो आज भी समय की मांग हैं ।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए ।

(i) **मैथिलीशरण गुप्त**

उत्तर :
मैथिलीशरण गुप्त हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि थे । उनका जन्म 1886 में हुआ था । उन्होंने अपनी कविताओं में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीयता को प्रोत्साहित किया । मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में देशभक्ति, समाज के प्रति जागरूकता और भारतीय संस्कृति की गहरी श्रद्धा नज़र आती है । उनकी प्रमुख रचनाओं में 'भारत भारती' और 'यशोधरा' शामिल हैं । 'भारत भारती' में उन्होंने भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता और राष्ट्रप्रेम को अभिव्यक्त किया है । उनका लेखन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए एक प्रेरणा था ।

Quick Tip
मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ भारतीय राष्ट्रीयता और संस्कृति का प्रतीक थीं, जिन्होंने भारतीय समाज को जागरूक किया और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया ।

(ii) **सतनाम**

उत्तर :
सतनाम हिंदी साहित्य के एक प्रमुख संत कवि थे । उनका योगदान भारतीय साहित्य में अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है । उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से मानवता, प्रेम, और शांति का संदेश दिया । उनकी प्रमुख रचनाएँ 'सतनाम' और 'धरती माई' हैं । सतनाम ने अपने काव्य में समाज में धार्मिक एकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ जातिवाद और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया । उनकी रचनाएँ भारतीय समाज में भाईचारे और प्रेम का वातावरण पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं ।

Quick Tip
सतनाम की रचनाएँ समाज में प्रेम, शांति और धार्मिक एकता के संदेश को फैलाती हैं, जो उनके समय के सामाजिक परिवर्तनों को दर्शाती हैं ।

(iii) **महादेवी वर्मा**

उत्तर :
महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य की प्रमुख कवयित्री थीं । उनका जन्म 1907 में हुआ था । महादेवी वर्मा की कविताओं में स्त्री विमर्श और समाज में महिला की स्थिति को उजागर किया गया है । उनकी प्रमुख रचनाएँ 'संवेदनाएँ', 'आत्मार्पण', और 'दीपशिखा' हैं । वर्मा जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास किया और उन्हें समाज में समान

अधिकार दिलाने के लिए अपनी लेखनी का प्रयोग किया । उनके साहित्य में भावनात्मक गहराई और सामाजिक सुधार के लिए प्रतिबद्धता थी ।

Quick Tip
महादेवी वर्मा की कविताएँ महिलाओं की स्थिति और समाज में बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, जिनमें उनका स्त्री विमर्श पर गहरा विचार था ।

(iv) **अशोक वाजपेयी**

उत्तर :
अशोक वाजपेयी हिंदी साहित्य के एक प्रमुख कवि और लेखक हैं । उनकी कविताएँ जीवन, दर्शन और समाज की जटिलताओं को सरलता से प्रस्तुत करती हैं । उनकी प्रमुख रचनाएँ 'संसार की संगीनी' और 'आत्मा की आवाज' हैं । वाजपेयी जी की कविताओं में एक गहरी दार्शनिकता और जीवन के प्रति सजीव दृष्टिकोण होता है । उनका लेखन जीवन के जटिल पहलुओं को समझने के साथ-साथ जीवन के उद्देश्य को प्रस्तुत करता है । वे साहित्य में शांति, तात्त्विक विचार और मानवता के प्रतीक माने जाते हैं ।

Quick Tip
अशोक वाजपेयी की कविताएँ समाज के विभिन्न पहलुओं को सरल और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करती हैं, जो पाठकों को जीवन की गहराई से परिचित कराती हैं ।

---

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से किसी एक कठिनस्थ को एक स्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो ।

उत्तर :
मुझे अपनी पाठ्यपुस्तक से एक कठिनस्थ श्लोक चुनकर प्रस्तुत करने का कार्य दिया गया है । यहाँ मैंने भगवद गीता के 18वें अध्याय का श्लोक लिया है, जो जीवन के महानतम तत्व को प्रस्तुत करता है :

"शरीरवाङ्मनोभिर्यत्कर्म प्रारभते नर : । न्याय्यं वा विपरीतं वा पापं वा पुनरपि । ।"

इस श्लोक में भगवान श्री कृष्ण ने कर्म की महत्ता को बताया है और बताया है कि जो कार्य हम शरीर, वाणी और मन के द्वारा प्रारंभ करते हैं, वही हमारे भाग्य को प्रभावित करता है ।

Quick Tip
कठिनस्थ श्लोक को चुनते समय यह ध्यान दें कि वह श्लोक जीवन के किसी महत्वपूर्ण सिद्धांत या दर्शन को स्पष्ट करता हो ।

---

(8) **'वाद-विवाद' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने चचेरे भाई को भाई की तरह पत्र लिखिए ।**

उत्तर :
प्रिय भाई,
नमस्ते । सादर आपको सूचित करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता में आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया है । यह आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है । हमें गर्व है कि आप हमारे परिवार का हिस्सा हैं । मैं जानता हूँ कि आप भविष्य में और भी शानदार उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे ।
आपका सच्चा भाई, (आपका नाम)

Quick Tip
पत्र लेखन में अपने विचारों और भावनाओं को ईमानदारी और स्पष्टता से व्यक्त करना महत्वपूर्ण होता है ।

अथवा

अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए ।

उत्तर :
प्रिय स्वास्थ्य अधिकारी,
नमस्ते । मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूँ ताकि मैं हमारे मोहल्ले की नालियों की सफाई के मुद्दे पर आपका ध्यान आकर्षित कर सकूँ । हमारी गली में नालियाँ अत्यधिक गंदी हो चुकी हैं और इसकी वजह से बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ गया है । कृपया इस समस्या का समाधान शीघ्रता से करें ताकि हम सभी सुरक्षित और स्वस्थ रह सकें ।
आपका faithfully, (आपका नाम)

Quick Tip
पत्र लिखते समय सही शब्दों का चयन और उद्देश्य को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना बहुत महत्वपूर्ण होता है ।

---

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

(i) **सुनिर्वचं किं मुख्यं दुःखं ?**

उत्तर :
सर्वाधिक दुःखं संसारबन्धनस्य कारणं अस्ति । जन्म, मरण, वृद्धत्व, रोगाः च दुःखस्य कारणानि भवन्ति ।

Quick Tip
दु:खं संसारबन्धनस्य परिणामेण अनुभवति, यत्र जीवनस्य विविध कठिनाइयाँ व्यक्त होती हैं ।

(ii) **कीर्ति: केन वर्धिता ?**

उत्तर :
कीर्ति: स्वधर्मेण, सत्यनिष्ठया च वर्धिता । य: धर्मेण स्थिता, स: जगति प्रसिद्धिम् प्राप्तुम् अर्हति ।

Quick Tip
कीर्ति सत्यता, परिश्रम और उच्च कार्यों द्वारा बढ़ती है ।

(iii) **वाराणसी नगरी कुत्तं स्थितं ?**

उत्तर :
वाराणसी नगरी भारतस्य प्राचीनतमं एवं पवित्रं स्थलम् अस्ति । या गङ्गाया: तटस्थितम् अस्ति, यत्र आत्मसाक्षात्कारं च मोक्षप्राप्तिरहितम् ।

Quick Tip
वाराणसी नगरी धार्मिक दृष्टिकोन से विशेष महत्व रखती है और यहाँ हरि का निवास स्थान माना जाता है ।

(iv) **आश्रिण: क: आसीत् ?**

उत्तर :
आश्रिण: महर्षि आश्रिण: आसीत् । य: शिष्योपदेशे च ज्ञानवृद्धिसंयुक्तं साक्षात्कारं देयात् ।

Quick Tip
आश्रिण: विशेष रूप से अपने शिष्योपदेश और गुरुकुल की शांति के लिए प्रसिद्ध थे ।

(v) **चन्द्रशेखर: : स्वामीं किम् अवदत् ?**

उत्तर :
चन्द्रशेखर: स्वामीं श्रद्धां वचनं अवदत् - "तत्परं कर्मण्यां दृढं आसीत् ।"

Quick Tip
चन्द्रशेखर: के वचन उनके दृढ़ नायकत्व और कर्म के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाते हैं ।

---

10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निम्नलिखित तरीके से लिखिए :

(i) **किसी यात्रा का वर्णन**

उत्तर :
किसी यात्रा का वर्णन :
मेरी एक सबसे यादगार यात्रा कश्मीर की थी । श्रीनगर की डल झील पर शिकारे में सवारी करना, गुलमर्ग की बर्फ से ढकी पहाड़ियों पर बर्फबारी का अनुभव और पहलगाम में स्थित सुरम्य घाटियाँ यह सब किसी स्वप्न से कम नहीं थे । कश्मीर के शांत वातावरण में समय बिताना, वहाँ के सुंदर बाग-बगिचों और बर्फीली चोटियों की अद्भुत सुंदरता ने इसे अविस्मरणीय बना दिया । कश्मीर का प्राकृतिक सौंदर्य और वहाँ के लोग जिनकी मेज़बानी अतुलनीय थी, ने मेरी यात्रा को हमेशा के लिए यादगार बना दिया ।

Quick Tip
यात्रा का वर्णन करते समय अनुभवों और दृश्यों का विस्तार से वर्णन करें ताकि पाठक अनुभव कर सके ।

(ii) **नई शिक्षा नीति**

उत्तर :
नई शिक्षा नीति :
भारत सरकार द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति (NEP) भारतीय शिक्षा के ढांचे में एक बड़ा बदलाव लाने का उद्देश्य रखती है । इस नीति में भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए कई सुधार किए गए हैं । विशेष रूप से, इसका लक्षय प्री-स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक के छात्रों को बेहतर और समग्र शिक्षा प्रदान करना है । नीति में मातृभाषा को प्राथमिकता देना, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना, और शिक्षा में समानता लाने की कोशिश की गई है । इसके अलावा, यह छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर पढ़ाई के विषयों का चुनाव करने की स्वतंत्रता भी देती है ।

Quick Tip
नई शिक्षा नीति पर बात करते समय इसके उद्देश्यों और उसमें किए गए सुधारों को प्राथमिकता दें ।

(iii) **इंटरनेट**

उत्तर :
इंटरनेट :
इंटरनेट ने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है । यह जानकारी का अद्वितीय स्रोत है और इसके माध्यम से हम दुनिया भर में कहीं भी किसी भी समय जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । इंटरनेट ने न केवल शिक्षा, बल्कि व्यवसाय, संचार, मनोरंजन, और सामाजिक संपर्क में भी क्रांति ला दी है । सोशल मीडिया के माध्यम से लोग आपस में जुड़ सकते हैं और अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं । हालांकि, इसके दुरुपयोग के परिणामस्वरूप समाज में नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं जैसे कि साइबर अपराध, नफरत फैलाना और अन्य सोशल मीडिया चुनौतियाँ ।

Quick Tip
इंटरनेट के लाभ और हानियों पर विचार करते समय इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को ध्यान में रखें ।

(iv) **आत्मनिर्भर भारत**

उत्तर :
आत्मनिर्भर भारत :
'आत्मनिर्भर भारत' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2020 में प्रस्तावित एक महत्वाकांक्षी अभियान है, जिसका उद्देश्य भारत को अपने पैरों पर खड़ा करना है । इस अभियान के तहत भारत में बने उत्पादों का प्रचार-प्रसार किया गया है और विदेशी आयातों पर निर्भरता को कम किया गया है । इस अभियान का उद्देश्य घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करना, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करना, और स्वदेशी उत्पादों की खपत को बढ़ाना है । आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, और कृषि में भी नवाचार और आत्मनिर्भरता लाने की कोशिश की जा रही है ।

Quick Tip
आत्मनिर्भर भारत पर विचार करते समय उसके उद्देश्य और भारत की आर्थिक स्थिति पर ध्यान दें ।

(v) **पुस्तकालय से लाभ**

उत्तर :
पुस्तकालय से लाभ :

पुस्तकालय ज्ञान का खजाना होते हैं । यहाँ पर हम न केवल अपनी पढ़ाई के लिए बल्कि समाज के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन करने के लिए सामग्री प्राप्त कर सकते हैं । पुस्तकालय में अध्ययन से मानसिक शांति और अनुशासन मिलता है । यह छात्रों को एकाग्रता के साथ अध्ययन करने की आदत डालता है, जिससे उनका ज्ञानवर्धन होता है । इसके अलावा, पुस्तकालय में विभिन्न पुस्तकें और पत्रिकाएँ उपलब्ध होती हैं जो समाज, विज्ञान, साहित्य और कला के विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान करती हैं ।

Quick Tip

पुस्तकालय के महत्व को समझते हुए, उसके लाभों का उल्लेख करें, जैसे ज्ञानवर्धन और अध्ययन की प्रक्रिया ।